एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -21, माह - अक्टूबर 2024

शिक्षा का उच्चतम परिणाम सहनशीलता है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर (छ.ग.)

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में गांधी जयंती के उपलक्ष में स्वच्छता हि सेवा अभियान चलाया गया..
विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से स्वच्छता अभियान में भाग लिया एवं स्वच्छता का संदेश दिया..

महात्मा गांधी जी ने सदैव स्वच्छता को प्राथमिकता दी है और उनके विचारों को इस अभियान में शामिल किया गया। इसलिए श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी परिसर में गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान #स्वच्छता ही सेवा# चलाया गया जिसमें नोडल अधिकारी डॉ. सत्यज तिवारी, एनसीसी कॉर्डिनेटर राजेंद्र पटेल, डॉ. अंजलि यादव सहायक प्राध्यापक के साथ-साथ डीन डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव , डॉ. यदु, श्री गौरव शर्मा, श्री दुशयंत और यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी भी शामिल हुए। इस अवसर पर गांधी जी के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया गया ।

डॉ. सत्यज तिवारी ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और हमें इसके लिए सदेव सजक रहना चाहिए। राजेंद्र पटेल ने कहा कि गांधी जी के आदर्शों को अपनाने से हम एक बेहतर समाज बना सकते हैं ।इस अभियान में विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और यूनिवर्सिटी कैंपस की स्वच्छता के लिए कार्य किया। डॉ. अंजलि यादव ने कहा कि छात्रों की भागीदारी से हमें उम्मीद है कि हम एक स्वच्छ और हरित कैंपस बना सकते हैं।

इस अवसर पर डीन डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, ने कहा कि गांधी जी के आदर्शों को अपनाने से हम एक बेहतर भविष्य बना सकते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और हमें इसके लिए काम करना चाहिए।

इस अभियान के माध्यम से श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने गांधी जी के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेकर यह उम्मीद सबसे बनाई है की हम एक बेहतर समाज बना सकते हैं।

एस.आर.यू के कुलसचिव डॉ सौरभ कुमार शर्मा, माननीय कुलपति प्रो. एस के सिंह और प्रति - कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने स्वच्छता अभियान की सराहना की और महात्मा गांधी के विचारों के साथ अग्रसर रहने को कहा।

"सूचना का अधिकार - इसका महत्व" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित...
श्री मनोज कुमार त्रिवेदी ने आरटीआई अधिनियम 2005 के महत्व को साझा किया...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय द्वारा सूचना का अधिकार और इसके महत्व पर आधारित एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त श्री मनोज कुमार त्रिवेदी ने शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में आरटीआई अधिनियम के महत्व पर बहुमूल्य जानकारी साझा की।

मनोज कुमार त्रिवेदी ने इस बात पर जोर दिया कि किस तरह 2005 में अधिनियमित आरटीआई अधिनियम ने नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी मांगकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का अधिकार दिया है। यह अधिनियम भ्रष्टाचार से निपटने, सरकारी पारदर्शिता सुनिश्चित करने और जवाबदेही बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करता है। वक्ता ने कहा कि आरटीआई अधिनियम नागरिकों को अधिक जागरूक बनाता है, उन्हें सार्वजनिक प्राधिकरणों के कार्यों और निर्णयों पर सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है, इस प्रकार देश के लोकतांत्रिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पूर्व आयुक्त ने आरटीआई अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की। इनमें सूचना प्रदान करने में देरी, नागरिकों में जागरूकता की कमी और कभी-कभी सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा गैर-अनुपालन शामिल हैं। उन्होंने अधिनियम के तहत नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के महत्व पर जोर दिया, साथ ही अनुरोधों को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए सूचना अधिकारियों की क्षमता को मजबूत किया।

व्याख्यान एक संवादात्मक सत्र के साथ समाप्त हुआ, जहाँ वक्ता ने उपस्थित लोगों को पारदर्शिता और लोकतंत्र की भावना की रक्षा करते हुए अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने के लिए आरटीआई अधिनियम का जिम्मेदारी और रणनीतिक रूप से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एस.आर.यू में विश्व सेरेब्रल दिवस के अवसर जनसंपर्क विभाग और विशेष शिक्षा विभाग द्वारा आईएएटी के सहयोग से हाइब्रिड मोड वेबिनार का किया गया आयोजन

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेरेब्रल पाल्सी से सम्बन्धित होने वाले विकारों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना.....

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस के उपलक्ष में मुख्य अतिथि डॉ. चानन गोयल (न्यूरो फिजियोथेरेपिस्ट) और डॉ. रुचिरा राज पाण्डेय (ऑडियोलॉजी पैथोलोजिस्ट) ने मुख्य अतिथि के रूप में हाइब्रिड मोड वेबिनार के माध्यम से विषय "सेरेब्रल पाल्सी वाले व्यक्तियों की बेहतर जीवनशैली के लिए सहायता" पर विश्रित जानकारी प्रादान की गई |इस कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षकों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से वेबिनार में भाग लिया |

कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्वल्लन और राज्य गीत के साथ हुई, तत्पश्चात मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री राजेश तिवारी और यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा द्वारा विश्व सेरेब्रल दिवस कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों एवं वेबिनार के मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया और कहा कि इस कार्यक्रम के मुख्य

उद्देश समाज में सेरेब्रल पाल्सी के सम्बन्ध में जागरूकता बढ़ाने के लिए यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्ति के साथ समाज सेवा के लिए यह पहला कदम है जो आगामी वर्षों में सेरेब्रल पाल्सी वाले व्यक्तियों की जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए सहायता प्रदान करेंगे |

न्यूरो फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. चानन गोयल ने सेरेब्रल पाल्सी के परिचय और फिजियोथेरेपी के माध्यम से बतया की सेरेब्रल पाल्सी कोई एक बीमारी नहीं बल्कि विकारों का समूह है. जिसमे ब्रेन में विकार पाया जाता है. यह बीमारी ज्यादातर बच्चों में पाई जाती है. यह विकार बच्चों में जन्म से पहले भी यदि माता की आयु ज्यादा होने से से, अनुचित दवाइयों के सेवन से, किसी प्रकार के इन्फेक्शन से, और अल्कोहल के उपयोग से माता के शारीर से बच्चो में हो सकता हैं और समय से पहले यदि किसी शिशु का जन्म होता है तो उसमे भी यह बीमारी देखने को मिल सकती हैं |

डॉ. गोयल ने इस बीमारी के लिए कुछ रेड फ्लैग्स भी साझा किये जैसे की - 4 महीने में बच्चे का गर्दन न संभाल पाना, 8 महीने में बच्चे का बैठ न पाना, साल भर की उम्र में बच्चे का खड़ा न हो पाना और डेढ़ साल तक बच्चे का न चलना इस बीमारी का लक्षण हो सकते है|

तत्पश्चात वेबिनार के अन्य मुख्य वक्ताओं द्वारा कार्यक्रम के विषय में विश्त्रित जानकारी प्रदान की गई जिसमें, ऑडियोलॉजी पैथोलोजिस्ट डॉ. रुचिरा राज पाण्डेय ने बताया कि भाषा के पहलू सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों पर कैसे प्रभाव डालते हैं और हम स्पीच थेरेपी के माध्यम से इस प्रकार की समस्या को कैसे हल कर सकते हैं। डॉ अनुभूति कोशले डीन विज्ञान संकाय द्वारा सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों के लिए पोषण की भूमिका के बारे में संचिप्त जानकारी प्रदान की गई।

सेरेब्रल पाल्सी के विषय में डॉ.लुकेश कुमार भुयार ने बच्चों के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में बताया और कैसे हम सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उन्हें आत्मनिर्भर बना सकते हैं। श्रीमती प्रीति के मिश्रा ने इस बारे में बात की कि सेरेब्रल पाल्सी के कारण क्या हैं और हम कम उम्र में पहचान करके कैसे हस्तक्षेप कर सकते हैं|

कार्यक्रम की समन्वयक विशेष शिक्षा विभाग सहायक प्राध्यापक तृप्ति सारस्वत ने कार्यक्रम के उद्देश स्टीरियोटाइप और स्टिग्मा तोड़ना, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा में सुधार करना , जीवन की गुणवत्ता बढ़ाना सभागार में सभी के समक्ष विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया और बताया कि दुनिया भर में इस सेरेब्रल पाल्सी की दर 17 मिलियन है, उन्हें समर्थन, समावेशन, समझ की आवश्यकता है।

एसआरयू ने नवरात्रि के अवसर पर रास गरबा के भव्य आयोजन में विद्यार्थियों ने लगाई चोकड़ी.... ढोलीदा.. ढोलीदा..चोगाड़ा तारा छबीला तारा रँगीला तारा. में तीन ताली दो ताली गरबा....

नवरात्रि के खुशी के अवसर पर, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों और सभी स्टाफ सदस्यों के लिए एक जीवंत रास गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया। उत्सव की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और देवी दुर्गा की पूजा अर्चना के साथ हुई, जिसका नेतृत्व यूनिवर्सिटी के उच्च अधिकारियों ने किया। इस शुभ कार्य ने ऊर्जा, भक्ति और सांस्कृतिक एकता से भरी शुरुआत की।

विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने पारंपरिक दो-ताली और तीन-ताली गरबा शैलियों में नृत्य करते हुए उत्साहपूर्वक गरबा में भाग लिया, गोलाकार संरचनाओं में सुंदर ढंग से आगे बढ़े। गरबा गीतों की धुन और ढोलीदा.. ढोलीदा.. ढोल हय्या मा वागे वागे ढोलीदा. चोगाड़ा तारा छबीला तारा रँगीला तारा., नगाड़ा संग ढोल बाजे, ढोल बाजे धांय धांय धम धम धांयजैसे लोकप्रिय बॉलीवुड ट्रैक के मिश्रण ने हवा को उत्सव और एकजुटता का माहौल बना दिया। लयबद्ध आंदोलनों, रंग-बिरंगे परिधानों और जीवंत संगीत ने इस कार्यक्रम को एक यादगार अनुभव बना दिया, जिससे यूनिवर्सिटी के सदस्यों में सामुदायिक भावना और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव को बढ़ावा मिला।

यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को नवरात्रि उत्सव की शुभकामनाएं दीं और रास गरबा में भारी भीड़ के लिए सराहना की।

एसआरयू में राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम किया गया आयोजित

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा आस्था मंच सभागार में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए पाठ्यक्रम विकास के दृष्टिकोण से ऑनलाइन मोड में राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। और कार्यक्रम का संचालन भारतीय पुनर्वास परिषद दिल्ली द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य इस ऑनलाइन मोड कार्यक्रम के माध्यम से पुनर्वास पेशेवरों के ज्ञान को अद्यतन और उन्नत करना और पेशेवरों के कौशल को ताज़ा करना है। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में संसाधन व्यक्ति प्रो. प्रेम शंकर राम बीएचयू (यू.पी), सहायक प्रोफेसर सुश्री विद्या भारती और श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के विशेष शिक्षा विभाग की श्रीमती पूर्णिमा साहू ने विशेष विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण पहलू को प्रस्तुत किया।

प्रो. प्रेम शंकर राम ने पाठ्यक्रम के दृष्टिकोण के बारे में बताया और कैसे हम इसे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए लागू कर सकते प्रोफेसर तृप्ति सारस्वत ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करते समय ध्यान में रखने वाले सिद्धांतों के बारे में बताया। सुश्री विद्या भारती ने पाठ्यक्रम का संपूर्ण विवरण समझाया और श्रीमती पूर्णिमा साहू ने पाठ्यक्रम विकास के प्रकारों के बारे में बताया।

कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक पुनर्वास पेशेवर ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीआरई कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का समन्वय सहायक प्रोफेसर तृप्ति सारस्वत ने यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ सौरभ कुमार शर्मा, डीन अकादमिक डॉ आरआरएल बिराली, डॉ अभिषेक श्रीवास्तव और उप रजिस्ट्रार श्री मनोज सिंह की उपस्थिति में किया।

यूनिवर्सिटी के प्रति- कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रोफेसर एस के सिंह ने पुनर्वास पेशेवरों के ज्ञान और पेशेवरों के कौशल को ताज़ा करने के आधार पर सीआरई कार्यक्रम को निष्पादित करने के लिए विशेष शिक्षा विभाग के काम की सराहना की।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा Mg/MgH2 पर नवीन धातुओं के सूक्ष्म मिश्रधातु पर अतिथि व्याख्यान किया गया आयोजित
हाइड्रोजन ऊर्जा प्रदूषण रहित, प्रचुर और पुनर्चक्रणीय है डॉ. वर्मा

आज श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में हाइड्रोजनीकरण और विहाइड्रोजनीकरण को बढ़ाने के लिए Mg/MgH2 पर नवीन धातुओं के सूक्ष्म मिश्रधातु विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता यूलिन यूनिवर्सिटी, चीन के स्कूल ऑफ न्यू एनर्जी के प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार वर्मा ने रसायन विज्ञान विभाग के छात्रों के साथ विशेष विषय पर चर्चा की। व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य हाइड्रोजन ऊर्जा, हाइड्रोजन भंडारण और तरल कार्बनिक हाइड्रोजन पदार्थ और Mg आधारित ठोस हाइड्रोजन का उपयोग करके परिवहन के ज्ञान का प्रसार करना था।

डॉ. वर्मा ने मुख्य रूप से उच्च दाब हाइड्रोजन, द्रव हाइड्रोजन, कार्बनिक हाइड्रोजन तथा ठोस हाइड्रोजन सहित सामान्य रूप से प्रयुक्त हाइड्रोजन भण्डारण एवं परिवहन विधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन ऊर्जा प्रदूषण रहित, प्रचुर तथा पुनर्चक्रणीय है साथ ही उन्होंने मैग्नीशियम आधारित हाइड्रोजन ऊर्जा सामग्री तथा मिथाइल साइक्लोहेक्सेन कार्बनिक द्रव हाइड्रोजन भण्डारण सामग्री के बारे में शोध दिशा बताई।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. हितेश देवांगन ने किया तथा विज्ञान संकाय की डीन प्रो. (डॉ.) अनुभूति कोशले, शोध एवं विकास की डीन डॉ. आर.पी. राजवाड़े एवं रसायन विभाग के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह एवं कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने विज्ञान संकाय के रसायन विभाग के विद्यार्थियों के लिए आयोजित व्याख्यान की सराहना की।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर के विधि विभाग के छात्रों ने केंद्रीय जेल का किया शैक्षणिक भ्रमण
छात्रों ने कैदियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण और अपराध एवं सजा से संबंधित विषयों का किया अवलोकन

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के विधि विभाग के छात्रों ने केंद्रीय जेल रायपुर का भ्रमण कर जेल प्रशासन और अपराध एवं सजा से संबंधित विषयों का जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अधिक समय तक जेल के प्रशासनिक अधिकारियों एवं कैदियों से वार्तालाप कर जेल की कार्यप्रलानी को समझा।

सभी छात्रों के जेल में प्रवेश के पूर्व पहचान पत्रों की गहन जांच की गई तत्पश्चात उन्हें जेल में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। जेल के दो उप-अधीक्षकों ने जेल प्रशासन और उसके इतिहास के महत्वपूर्ण पहलुओं अवगत कराया एवं भौतिक रूप से भी छात्रों को जेल के बैरक, रसोई और आधुनिक मिलाप कक्ष का भ्रमण कराया। जेल अधिकारियों ने बताया कि जेल एक आत्म निर्भर गांव की तरह काम करता है तथा जेल में कैदियों के दैनिक उपयोग में आने वाले वस्तुओं का निर्माण कैदियों के द्वारा किया जाता है जैसे काष्ठ सामग्री, कपड़ा, सब्जी, गौशाला से दूध आदि। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि जेल कैदियों को स्कूली शिक्षा के लिए जेल में पढ़ाया जाता है। तथा उच्च शिक्षा के लिए इग्नू के माध्यम से उनकी परीक्षाएं जेल परिसर में ही संपन्न कराई जाती है।

छात्रों को वह स्थान दिखाया गया जहां पर पूर्व में अपराधियों को फंसी पर चढ़ाया जाता था। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि यहां पर कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। जेल में ही कैदियों के लिए अस्पताल, विधिक परामर्श केंद्र एवं उनकी स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए सक्षम चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध रहते है। विधि विभाग की छात्राओं को महिला जेल का भी भ्रमण महिला स्टाफ के द्वारा भी कराया गया।

इस भ्रमण में छात्रों को जेल की प्रशासनिक प्रणाली, कैदियों के पुनर्वास एवं उनके व्यावसायिक प्रशिक्षण से संबंधित, व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रद्धा पांडेय ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य विधि छात्रों को वास्तविक रूप से आपराधिक प्रशासनिक प्रणाली के बारे में जानकारी देना था।

इस शैक्षणिक भ्रमण में विधि विभाग श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के 30 छात्रों के साथ विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रद्धा पांडेय, सहायक प्राध्यापक श्री अभिषेक कुमार मिश्रा, श्री रेवती रमन चन्द्रा, श्रीमती शालिनी कुर्मी एवं श्रीमती रूपल अग्रवाल उपस्थित रहे। इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए विधि विभाग केंद्रीय जेल रायपुर के जेल सुपरिटेंडेंट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर का हृदयतल से धन्यवाद करता है।

हैदराबाद में NIRDPR द्वारा आयोजित ट्राइबल सब प्लान (TSP) वर्कशॉप में डॉ. अंजली यादव ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया

हैदराबाद में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRDPR) द्वारा आयोजित ट्राइबल सब प्लान (TSP) वर्कशॉप में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़ की समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष और सहायक प्राध्यापक, डॉ. अंजली यादव ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. अंजली यादव ने मंच पर "हैबिटेट ट्राइबल" विषय पर अपना प्रेजेंटेशन दिया, जो आदिवासी समाज की जीवनशैली, चुनौतियों और उनके विकास पर केंद्रित था।

वर्कशॉप के कोऑर्डिनेटर डॉ सत्यरंजन ने डॉ. अंजली यादव के प्रेजेंटेशन की विशेष सराहना की और कहा कि उनके द्वारा प्रस्तुत जानकारी से अन्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) को महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं।

इस वर्कशॉप में कुल 241 प्रतिभागियों ने आवेदन किए थे, जिनमें से केवल 31 प्रतिभागियों का चयन हुआ। छत्तीसगढ़ से एकमात्र चयनित प्रतिभागी के रूप में डॉ. अंजली यादव ने राज्य का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया, जिससे उनका चयन और प्रेजेंटेशन राज्य के लिए गौरव की बात बन गया।

एस. आर. यू एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन के उद्घाटन समारोह का भव्य आयोजन

मन की स्थिरता को बनाए रखने के लिए मन को शांत रखना जरुरी... डॉ राघवेन्द्र राव एम

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मलेन में 250 से अधिक देश – विदेश के विद्यार्थी और शोधार्थी ऑफलाइन और ऑनलाइन हाइब्रिड माध्यम से हुए सम्मलित। योग विज्ञान इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर (आई.यू.सी.वाय.एस), बेंगलुरु द्वारा प्रायोजित इस सम्मलेन के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एम राघवेंद्र राव निदेशक, सीसीआरवाईएन, आयुष मंत्रालय नई दिल्ली हुए शामिल। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात संयोजक द्वारा स्वागत उद्बोधन के माध्यम से सम्मेलन के विषय में विस्तार पूर्वक महत्वपूर्ण तथ्यों को साजा किया गया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, भारत की धरती भगवान बुद्ध की धरती है युद्ध की नहीं, भारत के ऋषि मुनियों ने वासुदेव कुटुम्बकम की भावना को अपनाया है. उन्होंने योग के विषय में चर्चा करते हुए कहा है की योग शारीर से मन और आत्मा को जोड़ता है और योग से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

अपने उद्बोधन में डॉ एमएल पाण्डेय ने अपने उदबोधन में कहा है की यह आयोजन वैश्विक शांति और खुशहाली के लिया किया जा रहा है। योग के द्वारा जनसमान्य शैली को स्वास्थ्य, नशामुक्त और जागरूक किया जा सकता है,उन्होंने आगे बताया की श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी को छत्तीसगढ़ योग आयोग का सहयोग मिलता रहेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राघवेन्द्र एम राव ने बताया की वैश्विक शांति बहुत ही महत्वपूर्ण है। मन की स्थिरता को बनाए रखने के लिए अपने आप को शांत रखना बहुत जरुरी है। उन्होंने आगे बताया है की यदि हमारा मन शांत नहीं है तो इसे सब योग और ध्यान के माध्यम से एकाग्र रखना संभव है।

सम्मलेन के टेकनिकल सेसन में ऑफलाइन माध्यम से प्रोफ़ेसर भगवत सिंह, प्रोफ़ेसर मृत्युंजय राठौर और प्रोफेसर राजीव चौधरी उपस्थित हुए है. जिसमे डॉ मृत्युंजय राठौर ने योग और कार्यक्रम के विषय से सम्बंधित प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार पूर्वक सम्मलेन में सम्मलित के विद्यार्थी और शोधार्थी के समक्ष पेश किया। ऑनलाइन माध्यम द्वारा इंडोनेशिया से प्रो. कुटेत डोंडर, प्रशांति देवी माहेश्वरी ने अपने विचार व्यक्त किये।यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. आर. आर. एल बिरली, डीन फैकल्टी आफ आर्ट्स डॉ मनीष पाण्डेय, योग विभग से डॉ. के आर चक्रधारी, डॉ. कप्तान सिंह के साथ योग विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित थे। यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मलेन में देश – विदेश से सम्मलित विद्यार्थी और शोधार्थी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एस.आर.यू में अंतराष्ट्रीय योग सम्मेलन के द्वितीय दिवस हुए दो तकनिकी सेशन..
अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के लिए जीना योग है.. डॉ.बलदेव भाई शर्मा

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में योग विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) बलदेव भाई शर्मा माननीय कुलपति कुशाभाऊ ठाकरे, पत्रकारिता एवं जनसंचार यूनिवर्सिटी, रायपुर, छ.ग. द्वारा की गई । आज सम्मेलन में दो तकनिकी सेशन हुए जिसके प्रथम सेशन में मुख्य वक्ता आरोग्य मंदिर रायपुर के संस्थापक एवं निदेशक डॉ विवेक भारतीय ने सम्मेलन ले विषय से सम्बन्धित विचार व्यक्त किये और द्वितीय सेशन में स्वामी प्रपत्यानंद जी विवेकानन्द आश्रम रायपुर ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों से विचार विमर्श किया।

मंचासीन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ ने वैश्विक शांति और खुशी के लिए किया जा रहा अंतररास्ट्रीय सम्मलेन अपने विशेषता की ओर अग्रसर है ।योग के माध्यम से हम शांति का सन्देश विश्व के लोगो तक पहुंचा सकते है, आज सुख-समृद्धि की खोज के लिए किताबों का सहारा ले रहे है जिससे मन शांत हो और यह योग से संभव है।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा ने विचार व्यक्त कर कहा कि बुद्धि का अनुशासन योग सिखाता है, योग जिंदगी का खूंटा है जो हमको बंधकर एकाग्र रखता है और अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के लिए जीना योग है ।योग से जुड़ने के लिए भारत से जुड़ना जरुरी है भारत के विचारों से जुड़ना जरुरी हैं ।

द्वितीय तकनिकी सेशन में मुख्य वक्ता स्वामी प्रपत्यानंद जी वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उद्बोधन प्रारंभ कर कहा कि योग से व्यक्ति में नैतिकता का विकास होता है । विश्व शांति के लिए योग की आवश्यकता बहुत साल पहले इतनी नहीं थी जितनी आज है। उन्होंने कहा कि योग सारे समस्याओं को दूर करता है और मनुष्य जितनी योग की गहराई में जायेगा उतना ही आनंद का अनुभव अपने जीवन में पायेगा । योग को मात्र देखने सुनने से मन स्थिर हो जाता है द्वितीय तकनिकी सेशन की अध्यक्षता एस.आर.यू के योग विभाग के प्रो. कप्तान सिंह ने की जिसमे टोक्यो जापान से योग विशेषज्ञ श्री मोकोतो यानो ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया और विभिन्न प्रतिनिधियों द्वारा पेपर प्रस्तुत किय गए।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन का सफलता पूर्वक समापन...

अतिथियों द्वारा सोवेनियर का विमोचन और बेस्ट पेपर एवं मेनुस्क्रिप्त के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित....

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी योग विभाग एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान से "वैश्विक शांति और प्रसन्नता के लिए योग" के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन में 300 से अधिक देश – विदेश से विद्यार्थी और शोधार्थी ने पेपर और मेनुस्क्रिप्त प्रस्तुत किये एवं जापान, इंडोनेसिया और अन्य देश से योग विशेषज्ञों ने ऑनलाइन माध्यम से इस भव्य योग सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन में कुल चार तकनिकी सेशन में पांच मुख्य वक्ता ने प्रत्येक अध्यक्ष के समक्ष अपने विचार व्यक्त किये और विभिन्न प्रतिनिधियों द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से पेपर प्रस्तुत किये गए। समापन समरोह में मंचासीन अतिथियों ने योग विभाग के अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन के सोवेनियर का विमोचन किया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस के सिंह ने योग विभाग द्वारा "वैश्विक शांति और प्रसन्नता के लिए योग" के लिए आयोजित सफलता पूर्वक अंतराष्ट्रीय योग सम्मलेन की शुभकामनाएं दी और मंचासीन मुख्य अतिथि डॉ. काशीनाथ समागंडी और अन्य अतिथ्यों का पुष्पगुच से स्वागत किया।

आज के तकनिकी सेशन में अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर गोविन्द मिश्रा के समक्ष मुख्य वक्ता डॉ मंजू सिंह ठाकुर ने बताया की योग के द्वारा नई जीवनशैली मिलती है तथा स्वास्थ्य और खुशाल जीवन के लिए योग करना आवश्यक है। आजकल हो रहे हिंसा और भ्रष्टाचार का कारन है सामाजिक व्यक्ति का मानशिक रूप से आस्वस्थ होना। योग का अभ्यास दुनिया में बदलाव ला सकता है। योग आत्मविज्ञान है जो व्यक्ति के शारीर और मन पर कार्यरत है।

अपने उद्बोधन में प्रोफ़ेसर गोविन्द मिश्रा ने कहा कि यदि योग के शब्दों पर ध्यान दिया जाये तो योग शांति और ख़ुशी का पर्याय है। ख़ुशी, प्रसंन्नता एवं आनंद का अस्तित्व ही योग है और योग केवल दर्शन नहीं विज्ञान भी है।

मुख्य अतिथि डॉ. काशीनाथ समागंडी, डायरेक्टर ऑफ मोरारजी देसी नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ योग मिनिस्ट्री, आयुष मंत्राल दिल्ली ने अपने विचार व्यक्त हुए कहा कि इस कार्यक्रम का सिद्धांत वासुदेव कुटुम्बकम की भावना है। इस सम्मेलन में सम्मलित सभी देश-विदेश से विद्यार्थी और शोधार्थी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अंत में मंचासीन मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता ने बेस्ट पेपर एवं बेस्ट मेनुस्क्रिप्त के विजेताओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तत्पश्चात यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने धन्यवान प्रस्ताव ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डीन एकेडमिक डॉ. आर. आर. एल बिरली, डीन फैकल्टी आफ आर्ट्स डॉ मनीष पाण्डेय, योग विभग से डॉ. के आर चक्रधारी, डॉ. कप्तान सिंह के साथ योग विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित थे। मंच संचालन डॉ. राधिका चंद्राकर द्वारा किया गया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक सहयोग और प्लेसमेंट के अवसरों के लिए मृत्युंजय योग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी (एसआरयू), रायपुर ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके शैक्षणिक-उद्योग संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मृत्युंजय योग, रायपुर और योग के अभ्यास और प्रचार के लिए समर्पित एक प्रसिद्ध संस्थान के साथ। हस्ताक्षर समारोह में एसआरयू के कुलपति, योग विभाग के एचओडी डॉ केवल राम, कला के डीन डॉ मनीष पांडे और संकाय सदस्य डॉ कप्तान सिंह और श्री आशीष दीवान की सम्मानित उपस्थिति रही।

एसआरयू के टीपीओ श्री शादाब और योग विभाग के समर्पित प्रयासों से अस्तित्व में आए इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एसआरयू और मृत्युंजय योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है, जो व्यावहारिक प्रदर्शन और कौशल विकास के माध्यम से समग्र शिक्षा को बढ़ावा देता है।

अपने संबोधन में, एसआरयू के कुलपति ने छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता और व्यावहारिक विशेषज्ञता दोनों से लैस करने के लिए यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में योग जैसी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने तेजी से बढ़ते कल्याण और फिटनेस क्षेत्र में छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में इस सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ शर्मा और मृत्युंजय योग की संस्थापक डॉ. मंजू झा थे। दोनों ने सहयोगी पहल के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया, जिसका उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास के लिए नए रास्ते बनाना है।

इस महत्वपूर्ण सहयोग के अलावा, यूनिवर्सिटी ने सफलतापूर्वक एक कैंपस भर्ती अभियान का आयोजन किया, जहां योग विभाग के कई छात्रों ने प्रमुख कल्याण संगठनों में पद हासिल किए। यह अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अवसर प्रदान करने की एसआरयू की प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर है।

इस समझौते में योग विभाग के संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी जिसमे जिनमें डॉ. केवल राम चक्रधारी , डॉ. कप्तान सिंह, श्री आशीष दीवान और कला संकाय के डीन डॉ. मनीष पांडे शामिल थे, जो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साक्षी बने और यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता के दृष्टिकोण का समर्थन किया। इस समझौता ज्ञापन से छात्रों के लिए मृत्युंजय योग के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में इंटर्नशिप, कार्यशालाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण में भाग लेने के अवसर खुलने की उम्मीद है, जिससे वे उद्योग के लिए तैयार होंगे।

माननीय मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री ओपी चौधरी जी ने सावित्रीबाई फुले ऑडिटोरियम का किया उद्घाटन ...
अपने लक्ष्य के अनुसार शिक्षा का विषय निर्धारित करें और कौशलवान बने.... श्री ओपी चौधरी
स्टूडेंट ने पूछा रात में तारे कम दिख रहे हैं, इसके लिए शासन क्या करेगी
अन्य ने पूछा आजादी के पहले पूरा भारत एक जुट था , आजादी के बाद आज एकजुटता क्यों बिखर गई

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में माननीय छत्तीसगढ़ वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना और आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने यूनिवर्सिटी के तीसरे ऑडिटोरियम , सावित्रीबाई फुले ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। यह ऑडिटोरियम पूर्ण डिजिटल और शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है इस ऑडिटोरियम में *०० से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है और यह अत्याधुनिक ऑडियो विजुअल, केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग और नवीनतम सुविधाओं से सुसज्जित है।

यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने यूनिवर्सिटी के संस्थापक अनंत विभूषित श्री रवि शंकर जी महाराज को स्मरण करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी आज उर्जावान, युवा और अद्भुत व्यक्तिव के प्रशासनिक और राजनितिक अनुभवी श्री ओपी चौधरी जी के आगमन से गौरवान्वित हुई। सावित्रीबाई फुले के नाम से इस ऑडिटोरियम के नामकरण से यूनिवर्सिटी ने भारत की प्रथम शिक्षिका जिन्होंने बालिकाओं की शिक्षा और महिला उत्थान में अग्रणी सुधारवादी सशक्त महिला के रूप में शिक्षा जगत में क्रांति लाईं उन्हें ही नमन करते हुए इस ऑडिटोरियम का नाम सावित्रीबाई फुले ऑडिटोरियम रखा जाना भी गौरव की बात है ।

कुलपति प्रो. एस.के सिंह ने यूनिवर्सिटी के तरफ से माननीय मंत्री जी को कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी की स्थापना श्री महराज जी द्वारा युवाओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है और महराज जी ने ऐसे यूनिवर्सिटी की कल्पना की जो धर्म, ज्ञान, अध्यात्म के साथ- साथ विज्ञान की प्राप्ति छात्रों को हो सके और बेहतर व्यक्तित्व का निर्माण कर सकें ।

माननीय मंत्री श्री ओपी चौधरी विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि, भारत को यदि विकासशील से विकसित देश बनाना है तो युवा शक्ति को सशक्तबनना होगा। अपने जीवन के शिक्षा क्षेत्र , प्रशासनिक और राजनितिक अनुभव को विद्यार्थियों के समक्ष साझा किया और युवाओं को अपने जूनून के साथ सही संकल्प ले कर चलेंगे तो कठिन परिस्थिति में भी आप लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं । विद्यार्थी अपने लक्ष्य से सम्बन्धित शिक्षा प्राप्त कर कौशलवान बने ।

श्री ओपी चौधरी ने यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों से वर्तालाप कर अपने प्रशासनिक जीवन से राजनितिक जीवन में प्रवेश के विषय में बताया कि, अच्छे लोगों का राजिनिती में भाग न लेने से बुरे लोग राजनीति में आ जाते है । शिक्षा से ही मतदाता अच्छे एवं बुरे का फरक कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा करना ही मेरे जीवन का सपना था और समाज के लिए कुछ और भी बेहतर करने के लिए राजनितिक जीवन में अपना कदम बढ़ाया ।

स्टूडेंट्स द्वारा मंत्री जी से अपने अपने प्रश्न पूछे जिनका समाधान मंत्री जी ने सहजता एवं विस्तार से दिया ।एक प्रश्न को मंत्री जी ने पीएचडी शोध योग्य विषय बताया तो एक प्रश्न पर्यावरण की जागरूकता विषयक भी पाया । गंभीर विषयों पर मंत्री जी ने सहजता से स्टूडेंट्स का मार्ग दर्शन किया ।

उन्होंने विद्यार्थितों को प्रेरणा देते हुए कहा कि सफलता का आधार है असफलता से सबक लेना आगे बढ़कर सफल होना।

यूनिवर्सिटी के इस गौरंवान्वित समय में यूनिवर्सिटी की कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, डीन एकेडमिक डॉ. आर. आर. एल बिरली, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री राजेश तिवारी के साथ- साथ सभी एकेडमिक और नॉन- एकेडमिक स्टाफ उपस्थित थे।

एस.आर.यू कैंपस में अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया....
छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मंत्री श्री ओ. पी चौधरी जी ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, रायपुर।

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा यूनिवर्सिटी कैंपस में अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जिले की कुल 26 टीमों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का पहला मैच शासकीय महाविद्यालय मांडर एवं शासकीय महाविद्यालय नवागांव के मध्य खेला गया जिसमें शासकीय महाविद्यालय नवागांव की टीम 29 पॉइंट से विजई रही।

प्रतियोगिता के दूसरे मैच में दुर्गा महाविद्यालय रायपुर ने शासकीय महाविद्यालय धमतरी को 32 प्वाइंट प्राप्त कर विजई रही और तीसरा मैच शासकीय योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर और प्रगति महाविद्यालय रायपुर के मध्य खेला गया इस एक तरफा मुकाबले में शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय साथ के मुकाबले 37 पॉइंट से विजई रही। इस प्रकार प्रतियोगिता में कुल 25 मैच खेले गए।

पहला सेमीफाइनल मैच शासकीय महाविद्यालय अभनपुर और शासकीय महाविद्यालय भाखारा के मध्य खेला गया जिसमें शासकीय महाविद्यालय अभनपुर 32 पॉइंट से विजई रही एवं दूसरा सेमीफाइनल मैच शासकीय महाविद्यालय राजिम और यूटीडी के मध्य खेला गया इस मुकाबले में यूटीडी 30 पॉइंट प्राप्त कर फाइनल में पहुंची।

कबड्डी का फाइनल मुकाबला शासकीय महाविद्यालय अभनपुर और यूटीडी रायपुर के मध्य खेला गया इस रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले में यूटीडी रायपुर की टीम 14 के मुकाबले 16 पॉइंट से अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता विजेता बनी।

प्रतियोगिता में शामिल सभी टीम मेंबर्स ने क्लैप रैंप कर छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मंत्री श्री ओपी चौधरी जी का स्वागत किया और मंत्री जी ने खिलाड़ियों से बात कर उनका मनोबल बढ़ाया और यूनिवर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम , कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह एवं कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा भी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण मंचासीन श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर एस. के. सिंह और क्रीडा अधिकारी डॉ प्रमोद मने , श्री रूपेंद्र चौहान डॉ रीना ध्रुव के समक्ष विजेता टीम और उपविजेता टीम को ट्रॉफी एवं प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एसआरयू में "प्रयोगशाला पशु प्रयोगों के लिए सिमुलेशन तकनीक" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित...
फार्मेसी विभाग ने आरजेपीटी सिमलैब रायपुर के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में प्रयोगशाला पशु अनुसंधान के क्षेत्र में, फार्मेसी विभाग ने आरजेपीटी सिमलैब रायपुर के सहयोग से "प्रयोगशाला पशु प्रयोगों के लिए सिमुलेशन तकनीक" पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रयोगशाला पशु अनुसंधान के क्षेत्र में अभिनव सिमुलेशन पद्धतियों का पता लगाने के लिए छात्रों, शोधकर्ताओं, विद्वानों और अकादमिक पेशेवरों को एक साथ लाने के लिए किया गया। फार्मेसी विभाग के प्राचार्य प्रो. विजय कुमार सिंह ने कार्यशाला का संक्षिप्त विवरण दिया और प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रयोगशाला अनुसंधान में नैतिक प्रथाओं और उन्नत प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उनकी अंतर्दृष्टि ने सीखने और सहयोग के एक आकर्षक दिन के लिए माहौल तैयार किया।

आरजेपीटी सिमलैब रायपुर के संस्थापक और कार्यशाला के विशेषज्ञ सूत्रधार श्री अभ्युदय दहरवाल ने नवीनतम सिमुलेशन तकनीकों और फार्मास्युटिकल अनुसंधान में उनके अनुप्रयोगों पर केंद्रित सत्रों का नेतृत्व किया। उनकी विशेषज्ञता ने उपस्थित लोगों को उनकी शोध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. वीना देवी सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यशाला की सफलता में उनके योगदान के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने फार्मास्युटिकल शिक्षा में व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में ऐसी पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला ने न केवल प्रतिभागियों की सिमुलेशन तकनीकों की समझ को बढ़ाया, बल्कि नैतिक जोखिमों के बिना नैदानिक कौशल विकसित करते हुए, सिद्धांत और अनुप्रयोग को जोड़ने वाले सुरक्षित, व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके उनके सीखने को समृद्ध किया। इसने जटिल दवा अंतःक्रियाओं की उनकी समझ में सुधार किया और छात्रों को तकनीकी रूप से उन्नत स्वास्थ्य सेवा वातावरण और प्रयोगशाला सेटिंग्स के लिए तैयार किया। यूनिवर्सिटी के उच्च अधिकारी प्रयोगशाला पशु अनुसंधान के क्षेत्र में विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला की सराहना करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एसआरयू ने युलिन विश्वविद्यालय, युलिन पी.आर. चीन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने युलिन विश्वविद्यालय, युलिन पी.आर. चीन के स्कूल ऑफ केमिस्ट्री एंड केमिकल इंजीनियरिंग के साथ अकादमिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह युलिन विश्वविद्यालय, युलिन पी.आर. चीन के साथ एक अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन है, जो अनुसंधान आधारित शैक्षणिक सहयोग है, जिसने युलिन विश्वविद्यालय, युलिन पी.आर. चीन के स्कूल ऑफ केमिस्ट्री के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके अकादमिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह एक प्रसिद्ध संस्थान है जो अकादमिक कार्यों के अनुसंधान और संवर्धन के लिए समर्पित है।

हस्ताक्षर समारोह में एसआरयू के प्रो-कुलपति, एसआरयू के कुलपति, प्रो (डॉ.) अनुभूति कोशले डीन, विज्ञान संकाय, प्रो (डॉ.) आर.पी. राजवाड़े, डीन (अनुसंधान एवं विकास) और रसायन विज्ञान विभाग के एचओडी, सहायक प्रोफेसर डॉ. हितेश देवांगन की सम्मानित उपस्थिति रही।

एसआरयू (रसायन विज्ञान विभाग) के समर्पित प्रयासों से अस्तित्व में आए इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एसआरयू और यूलिन विश्वविद्यालय पी.आर. चीन के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध विद्वानों के लिए शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अवसरों पर केंद्रित है।

एसआरयू के कुलपति ने अपने संबोधन में छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता और व्यावहारिक विशेषज्ञता दोनों से लैस करने के लिए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में तरल कार्बनिक हाइड्रोजन सामग्री और एमजी आधारित ठोस हाइड्रोजन का उपयोग करके हाइड्रोजन ऊर्जा, हाइड्रोजन भंडारण और परिवहन जैसे वैज्ञानिक ज्ञान को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया।

Companies Shared for Placement

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

स्थानीय सहायता केंद्र

अंबिका मार्केट, बनारस चौक,
पी.जी. कॉलेज के सामने,
अंबिकापुर
72240889708

एल.आई.जी.-247,
घंटाघर चौक के पास
कोरबा
8817856591

प्रथम तल कृष्णा स्टील, जुनवानी
रोड, विवेकानंद नगर, कोहका
भिलाई
9337350080

बिलासा इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग,
चिरचिरदा रोड, बोदरी
बिलासपुर
7222910434
7489923419

श्री रावतपुरा ग्रुप ऑफ़ इन्स्टिट्यूशन
एन.एच.30 आसना पोस्ट ऑफिस के पास
जगदलपुर
7222910435
7222992477

AFFORDABLE FEES

AVAIL UPTO 100% SCHOLARSHIP

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
विवेक विश्वकर्मा